

भाग 'अ' -परिचय			
कार्यक्रम:प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट कोर्स)	कक्षा:बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	सत्र: 2021-22
विषय: भूगोल			
1.	पाठ्यक्रम का कोड	A1 - GEOG2G	
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	पर्यावरणीय मुद्दों एवं आपदा प्रबंधन	
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	इलेक्टिव कोर्स	
4.	पूर्वपिक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	छात्र 12वीं कक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए	
5.	पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<p>इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी</p> <p>i. मानव और वातावरण के मध्य गत्यात्मक अन्तर्क्रियात्मक संबंधों को समझेंगे।</p> <p>ii. देश में आने वाली विभिन्न आपदाओं के बारे में गहराई से जान सकेंगे।</p> <p>iii. आपदाओं के बार में मानव प्रतिक्रियाओं की संपूर्ण समझ विकसित कर सकेंगे।</p>	
6.	क्रेडिट मान	सैद्धांतिक- 4	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक :25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 33

Kusum
16.8.21

भाग 'ब' - पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या (प्रति सप्ताह (घंटे में): 2 घण्टे प्रति सप्ताह		
कुल व्याख्यान : 60 घण्टे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	पर्यावरण एवं पर्यावरणीय मुद्दें - <ol style="list-style-type: none"> 1. पर्यावरण का अर्थ, संकल्पना एवं कारक 2. पर्यावरण एवं संसाधन - उपयोग, दोहन एवं संरक्षण 3. पर्यावरण पर मानवीय क्रियाकलापों का प्रभाव 4. पर्यावरण संबंधी प्रमुख मुद्दें : पर्यावरणीय प्रकोप, वैश्विक तपन, पर्यावरणीय अवनयन, निर्वनीकरण पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन 	15
II	पर्यावरणीय प्रकोप एवं आपदाएँ - <ol style="list-style-type: none"> 1. प्रकोप और आपदाएँ - अर्थ एवं संकल्पना 2. आपदाएँ - जोखिम एवं प्रभावशीलता (भेद्यता) 3. आपदाओं का वर्गीकरण - प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाएँ 4. भारत में आपदाएँ - (प्राकृतिक एवं मानवकृत) कारण, प्रभाव, वितरण एवं मानचित्रण. 	15
III	आपदा प्रबंधन - विधियाँ एवं उपागम- <ol style="list-style-type: none"> 1. ऐतिहासिक परिदृश्य, तैयारी एवं पूर्वानुमान 2. आपदा संबंधी जागरूकता, निम्नीकरण एवं बचाव 3. आपदा के तत्व, न्यूनीकरण एवं प्रबंधन 4. प्रकोप विश्लेषण, प्रभावशीलता विश्लेषण एवं प्रकोप जोखिम विश्लेषण 5. आपदा के दौरान और पश्चात क्या करें और क्या न करें 	15
IV	आपदा प्रबंधन - भूमिका और उत्तरदायित्व- <ol style="list-style-type: none"> 1. आपदा प्रबंधन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठन 2. आपदा प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय संगठन 3. इसरो, एन आई डी एम, एस डी एम ए और अन्य संस्थाओं की भूमिका 4. स्वदेशी ज्ञान एवं समुदाय आधारित आपदा प्रबंधन 5. आपदा के दौरान और पश्चात शरणार्थी ऑपरेशन, मानव पुनर्बसाव और पुनर्वास 	15
सार बिंदु (कीवर्ड)टिग: पर्यावरण, मानवीय क्रियाकलाप, वैश्विक तपन, जलवायु परिवर्तन, प्रभावशीलता, आपदा प्रबंधन, पुनर्वास.		

Kustum
16.8.21

भाग स- अनुशासित अध्ययन संसाधन
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशासित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन पाठ्य सामग्री:

1. Goudie Andrew. The Human Impact on the Natural Environment.9. Blackwell Oxford U. K. 1994.
2. Khoshoo, T. N.: Environmental concerns and strategies, Ashish publishing house, New Delhi 1988.
3. Munn, R.E. Environmental Impact Assessment: Principles and Procedures. John Wiley & Sons, New York, 1979.
4. Narain Sunita. The Citizen Fifth Report. Centre for science and Environment, New Delhi, 2003.
5. Saxena, H.M. Environment Management. Rawat Publication. Jaipur, 2000.
6. Kapur, A(2010) Vulnerable India.
7. Geographical study of Disaster, Delhi, India Sage publications.
8. Government of India (2011) Disaster Management in India, Delhi, India, Ministry of Home Affairs.
9. Government of India (2008) Vulnerability of India, New Delhi, India.
10. रघुवंशी अरूण और चन्द्रलेखा रघुवंशी, पर्यावरण तथा प्रदूषण मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल (1989)।
11. सविन्द्र सिंह, पर्यावरण भूगोल प्रयोग पुस्तक सदन इलाहाबाद।
12. नेगी, पी.एस. पारिस्थितीय विकास एवं पर्यावरण भूगोल, रस्तोगी एण्ड कंपनी, मेरठ।
13. तिवारी विजय कुमार – पर्यावरण पारिस्थितिकी हिमालय पब्लिकेशन, दिल्ली (1998)।
14. अवस्थी, एन. एम. और तिवारी आर.पी. : पर्यावरण भूगोल, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल (1995)।
15. तिवारी आर.पी. और अवस्थी, एन. एम. : जल संसाधन एवं पर्यावरण प्रबंधन, ए.पी.एच पब्लिशिंग कांफेरिशन, न्यू दिल्ली (2000)।

अनुशासित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:

1. epgp.inflibnet.ac.in
2. यूट्यूब पर उपलब्ध वर्चुअल व्याख्यान

भाग द - अनुशासित मूल्यांकन विधियां:

अनुशासितसतत मूल्यांकन विधियां:

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25

विश्वविद्यालयीनपरीक्षा (UE) अंक : 75

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE): 25	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
	कुल अंक	25
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा: 75	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
	कुल अंक	75

Kunsum
16.8.21

Part A: Introduction			
Program: Certificate Course		Class: B.A. I Year	Year: 2021
		Session: 2021-2022	
Subject: Geography			
1.	Course Code	A1 – GEOG2G	
2.	Course Title	2552 : <i>Environmental Issues and Disaster Management</i>	
3.	Course Type (Core/ Elective/ Generic Elective/ Vocational/...)	3552 Elective course	
4.	Pre-requisite (If any)	To study the course, the student must have passed 12 th Class.	
5.	Course Learning Outcomes (CLO)	After the completion of course, the students will be able to: i. Comprehend the dynamic interactive relationship between Man and Environment. ii. Get in depth understanding about the various disasters in the country. iii. Develop thorough understanding about the Human responses to the disasters.	
6.	Credit Value	Theory – 4	
7.	Total Marks	Max. Marks: 25+75	Min. Passing Marks: 33

K. S. S.
16.8.21

Part B: Content of the Course		
Total numbers of lectures (in hours per week): 2 hours per week		
Total Lectures : 60 hours		
Unit	Topic	No. of Lectures
I	ENVIRONMENT AND ENVIRONMENTAL ISSUES: <ol style="list-style-type: none"> 1. Meaning, concept and factors of environment 2. Environment and Resources: Use, exploitation and conservation 3. Impact of Human Activities on Environment 4. Major Environment related contemporary issues: Hazards, Global warming, Environmental Degradation, Deforestation, Pollution and Climate Change. 	15
II	HAZARDS AND DISASTERS: <ol style="list-style-type: none"> 1. Meaning and Concept of Hazards and Disasters 2. Elements/ Aspects of Disaster 3. Disasters: Risk and vulnerability 4. Classification of Disasters: Natural and Man Made 5. Disasters in India (Natural and Man Made): Causes, impact, distribution and mapping. 	15
III	DISASTER MANAGEMENT – METHODS AND APPROACHES: <ol style="list-style-type: none"> 1. Historical Perspective, Preparedness and Prediction 2. Disaster: Awareness, Mitigation and Prevention 3. Reduction and Management of Disaster 4. Hazards analysis, vulnerability analysis and Hazard risk analysis 5. Do's and Don'ts during and post Disaster 	15
IV	DISASTER MANAGEMENT – ROLE AND RESPONSIBILITY: <ol style="list-style-type: none"> 1. International organizations for Disaster Management 2. National organizations for Disaster Management 3. Role of ISRO, NIDM, SDAM and Others 4. Indigenous knowledge and Community based Disaster Management 5. Refugee operation, Human settlement and Rehabilitation issues during and after Disasters. 	15
Keywords/Tags: Environment, Human Activities, Global Warming, Climatic change, Vulnerability, Disaster Management, Rehabilitation.		

Kansum
16.8.21

Part C: Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. Goudie Andrew: The Human Impact on the Natural Environment. Blackwell Oxford U. K. 1994.
2. Khoshoo, T. N.: Environmental concerns and strategies. Ashish publishing house, New Delhi 1988.
3. Munn, R.E. Environmental Impact Assessment: Principles and Procedures. John Wiley & Sons, New York, 1979.
4. Narain Sunita. The Citizen Fifth Report. Centre for science and Environment, New Delhi, 2003.
5. Saxena, H.M. Environment Management. Rawat Publication. Jaipur, 2000.
6. Kapur, A Vulnerable India (2010).
7. Geographical Study of Disaster, Delhi, India Sage publications.
8. Government of India: Disaster Management in India, Delhi, India, Ministry of Home Affairs (2011).
9. Government of India: Vulnerability of India, New Delhi, India (2008).
10. रघुवंशी अरूण और चन्द्रलेखा रघुवंशी, पर्यावरण तथा प्रदूषण मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल (1989)।
11. सविन्द्र सिंह, पर्यावरण भूगोल प्रयोग पुस्तक सदन इलाहाबाद।
12. नेगी, पी.एस. पारिस्थितिक विकास एवं पर्यावरण भूगोल, रस्तोगी एण्ड कंपनी, मेरठ।
13. तिवारी विजय कुमार – पर्यावरण पारिस्थितिकी हिमालय पब्लिकेशन, दिल्ली (1998)।
14. अवस्थी, एन. एम. और तिवारी आर.पी. : पर्यावरण भूगोल, म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल (1995)।
15. तिवारी आर.पी. और अवस्थी, एन. एम. : जल संसाधन एवं पर्यावरण प्रबंधन, ए.पी.एच पब्लिशिंग कार्पोरेशन, न्यू दिल्ली (2000)।

Suggested equivalent online course:

1. epgp.inflibnet.ac.in
2. Virtual lectures available on YouTube.

Part D: Assessment and Evaluation (Theory)

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks: 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25

University Exam (UE): 75

Internal Assessment:	Class Test	15
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): 25	Assignment/ Presentation	10
	Total	25
	External Assessment:	
University Exam Section: 75 Time : 02.00 Hours	Section (A): Three Very Short Questions (50 Words Each)	03 x 03 = 09
	Section (B): Four Short Questions (200 Words Each)	04 x 09 = 36
	Section (C): Two Long Questions (500 Words Each)	02 x 15 = 30
	Total	75

Kushum
16.8.21